

भूमि व जल प्रबंधन में जीआईएस व रिमोट सेंसिंग की भूमिका पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू भूमि व जल प्रबंधन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को देना होगा बढ़ावा: वीसी

कृषि विवि

पूसा, निज संबाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पी.एस. पांडेय ने कहा कि भूमि एवं जल प्रबंधन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देना समय की मांग है। इस दिशा में रिमोट सेंसिंग एक अहम कड़ी के रूप में उभर रहा है। इसका लाभ किसानों को काफी मिलेगा। वे शुक्रवार को विवि के कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभागार में वैज्ञानिकों व छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

मौका था विवि में भूमि एवं जल प्रबंधन में जीआईएस व रिमोट सेंसिंग की भूमिका विषय दो दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने सेटेलाईट का प्रक्षेपण किया है। इससे कृषि क्षेत्र में नई क्रांति आयेगी। इससे किसानों को मौसम समेत अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां समय पर मिल सकेंगी। एनआरएसई, इसगे, हैदराबाद के निदेशक डॉ. वीएस चौधरी ने कहा कि रिमोट सेंसिंग से भूमि एवं जल प्रबंधन में वैज्ञानिक व किसानों को लाभ मिलेगा। डीन डॉ. अम्बरीश कुमार ने प्रशिक्षण के महत्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि इस दौरान विशेषज्ञ के रूप में सीएसएस कोलकाता विधान नंदा छात्रों एवं वैज्ञानिकों को सोफ्टवेयर संबोधित जानकारी देंगे। धन्यवाद डॉ. एसके जैन ने किया। मौके पर डॉ. राम सुरेश, डॉ. पीडी शर्मा, डॉ. रविश चन्द्र, डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह, इ. संजय कुमार, डॉ. आरके साहू, डॉ. विशाल कुमार, डॉ. एसके निगला समेत अन्य वैज्ञानिक व छात्र मौजूद थे।



शुक्रवार को कृषि विवि के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में मौजूद वैज्ञानिक व छात्र।

- कृषि क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए उपग्रह छोड़ा गया है
- भूमि एवं जल प्रबंधन के बारे में विद्यार्थियों को बताया
- विवि में अनुसंधान परिषद की बैठक तीन से

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में तीन दिवसीय 14वीं अनुसंधान परिषद की 3 जुलाई से शुरू होंगी। जिसमें खरीफ फसलों की पूर्व की समीझा व आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। बैठक के दौरान फसलों के तकनीक व प्रभेदों की अनुशंसा की संभावना है।



महाविद्यालय में दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन करते कुलपति, डीन व अन्य।